सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर विदेश मंत्रालय एवं विदेशों में स्थित भारतीय मिशन और केन्द्रों द्वारा विविध कार्यक्रमों के आयोजन के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। इन आयोजनों से जुड़े सभी आयोजकों, प्रतिभागियों और हिन्दी प्रेमियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत की भाषाई समृद्धि पर हर भारतवंशी को गर्व है। अपने प्रवासी भारतीय साथियों को मैं राष्ट्रदूत के रूप में देखता हूं और जहां-जहां भारतवंशी हैं, वहां हिन्दी भारत की आत्मा के स्वर के रूप में संवाद, जुड़ाव और सांस्कृतिक आत्मीयता का माध्यम बनती है। हिन्दी केवल एक भाषा मात्र नहीं, बल्कि भारत की संवेदना, संस्कार और चिंतन को विश्व तक पहुंचाने वाली सशक्त कड़ी है।

भारत की निरंतर प्रगति और बढ़ते वैश्विक प्रभाव के साथ हमारी भाषाओं, परंपराओं और जीवन-दर्शन के प्रति दुनिया की रुचि निरंतर बढ़ रही है। यह देखना सुखद है कि विदेशों में हिन्दी सीखने, पढ़ाने और शोध करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे हिन्दी वैश्विक संवाद की भाषा के रूप में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

अपनी सरलता, सहजता और विपुल साहित्यिक विरासत के साथ हिन्दी आज सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यमों और आधुनिक तकनीक की भाषा के रूप में निरंतर सशक्त हो रही है। युवा पीढ़ी द्वारा हिन्दी को नवाचार, रचनात्मक अभिव्यक्ति और आधुनिक संवाद के माध्यम के रूप में अपनाया जाना इसके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

मुझे विश्वास है कि विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रम सभी भारतवंशियों, विशेषकर युवाओं को, हिन्दी के साथ गहराई से जुड़ने, इसे अपने कार्य और जीवन में अपनाने और वैश्विक मंच पर इसकी गरिमा बढ़ाने के लिए प्रेरित करेंगे।

हिन्दी को समृद्ध और सशक्त बनाने में निरंतर योगदान दे रहे सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं, विशेषकर विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशन और केन्द्रों के सभी सहयोगियों का मैं हृदय से अभिनंदन करता हूं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
पौष 16, शक संवत् 1947
06 जनवरी, 2026